

१ सव ७३५ सा दयाद गु क वरु दीम अनन
वुत अनननन (म मा घा धू र्ध्वा रु मया ॥

आशा सहवादि

901

ASHA ARCHIVES

२ सव ७३५ सा दयाद गु क वरु दीम अनन
वुत (म मा घा धू र्ध्वा रु मया ॥
उरु

ॐ नमो श्रीसिद्धि लक्ष्मी ॥ नमो भू देव देव नमो सिद्धि लक्ष्मी म
हा देवता ॥ यत्पुं लिना जगद्वाणी नाश लक्ष्मी नमो लक्ष्मी ॥ या जिह
सिद्धि त्रया च करुण मय त्रयिणी ॥ सा न कान करुणया च मातृ
का कुरु मध्य गम् ॥ जगत्मातृ श्वरी देवी जगत्सिद्धि तत कुरु ॥ जग

सिद्धि कुरु देवी जगदानन्द का निनी ॥ ॐ लो कजननी देवी वद
वक्र सम मध्य गम् ॥ यं कुरुण कुरु पशु च वक्रु द्वा गे समा युक्त ॥ सिद्धि ल
क्ष्मी म हं गम् निवद पुं वक्रु त्रयिणी ॥ हि म कुरु न्द न्द स कान्ता सुद्व स
टि कुरु नित्या ॥ सर्वै श्वत नित्या देवी कल त्मान स रं जसा ॥ जग
दो न्द स यु क्त नी ल कुरु द्वा ग म् ॥ त्रि मय यति मा स्व

निदग्गदी ई छु धा नि नी । खद्वा झदि गृ नि वे व व ना घ । न्न
ग्य द कि (न) ॥ का य ग्ग ल व पा ग व अरु या म छु वान के ॥
संघी ली का न स य का ह म न ता दि ली क ता । छु क व सु
प नी का ना न दि ना न न य न सा । नु ड कं ध स मो न रा स
इ स र टि क स नि ता । ७ क व क सि न य न ४ ख छु न क त

॥ व व ४ ॥ व नु इ न म ह न सु द य ह क ता फ र लि ॥ पु न
स ना प ति छु नु (ग न व (मि म हा क ल ॥ का टि व (नू नु ला
द वी ह ल त्मा न स ग न सा नाना नू य ध ना द वी नाना न
सु व (म ति ना । व इ व कुा व इ उ ना व इ या दा म हा व ला ॥
वि न्ध नू या म ह न नि ल झी नू या व ता नि ला । वि न्ध नू य

निठा ददी । चिन्ता तथै वनप्रदा । नमः स्वाहा । श्री वीर दू । वषट्
रुतका नवायक । ७० नमः । कामहा देवी । मनु नूपा वता निदा ।
। श्री धाम पुस्तिका देवी । रुतं ग कटिला कति ४ । सर्व कल्ल
नीलकि । प्रगम्य वा नितीतथा । गन ४ गन ४ पुवा नल । व
क्रा ६ दान रं दिनी । अनिमानि । म हि मा । निदि सिद्धि प्र

दायिनी । यं वा सा पि लु संयुक्ता । नागल श्री पुजा यत । अनि
वृद्धि कनी देवी । दायकं यन मयनी । सुल नूपा महं । अनि
नवत्वा धि कृगदय । सफाद । लषू नवमं । सफ यं वा
। पिदय ॥ ७ का रुत महा देवी । लू श्री नूपा यत नमः ४
॥ ७० नमः । मनु महा देवी । मनु महा महं । लषू नी । स

ॐ इयापविनिर्मूर्कं ज्ञापनां न्यवर्द्धना। लक्ष्मीयुक्ता रुव
ॐ हि मातृ मदाभक्तु गजउव० सकसागनयय्यनूना
थं स्त्रानासकईव० सकस्मृत्वादरुत वा वापानिगृलना
लिव० इत्वा जगदिदं कृत्वा प्रकृदिविध्ययुक्तिं। मातृहा
यितृहासं यी बुद्धहा कृत्वा हातथ विन (न्य) त्यातकादि

ॐ सकस्मृत्वा ययसुव० (पि) संध्यं प धनं हातुं भक्तविन
समाहित० वंधनात्मु चगयायं निगता सु० टनान्निदि
। नावाला कृत्वा यं गानि भाययतु सु यं दक्ष० दावानु (न्य) र
य धात्रे सिद्धियाद्यादि संकट॥ विषम गहनं स्वकी लुना
वस्मन यत्त य० मनु यनु दिवू (न्य) यन कृत्वा वि

नालयः॥ कलिः कनापि दष्टस्य विवमा गनमस्तु वः
देतायस्मानयकादिः अयस्मानादिना गनः। कनावातुर्थ
कादीनि नागयस्मानादिनि च। अविनिगानि चार्थ
निःसदाकस्य उवन्ति रिः। अलक्ष्मीसमनी गया इष्ट
दात्रिदुर्मर्दनी। लक्ष्मीस्वानुविख्याता वदुःशी गवनायदा।

महालक्ष्मी महाकाना सर्वसौभाग्यदायिनी। मदिनानन्द
वर्धन्या मगद्यः भूतलावनी। आनन्दसमस्तानि विष्णुदया
वगानिनी। वाक्कीर्तीदायकी माना वैष्णवी ध्यानधानकी। मा
हन्दी दक्षिणैव वासुः कृकयागिनी। पूजयद्विविधा
काना गंधपुष्पादिकैस्तदा। पूजयत्युनकव्यैः ४ कसूनीव

समायुते ॥ १ ॥ आना धिना जगत्सर्वं प्रेता कामयिषू जयं ॥ गजा
ध्वमलिषा काग म गवा (ध्व) वप्रवृद्धयं ॥ १ ॥ वायुर्लजिन दवी रु
पत्सर्वं सदा वृत्ते ॥ वदना प्रकि मूर्केन अविनिता नि सिद्धय ।
स्मन एतु सदा तस्य इष्टं दानि उद्या निनी । नमस्तु महा देवी
नमस्तु विश्व कृपिणी । नमस्तु जगन्माता सिद्धि लक्ष्मी नमः ॥

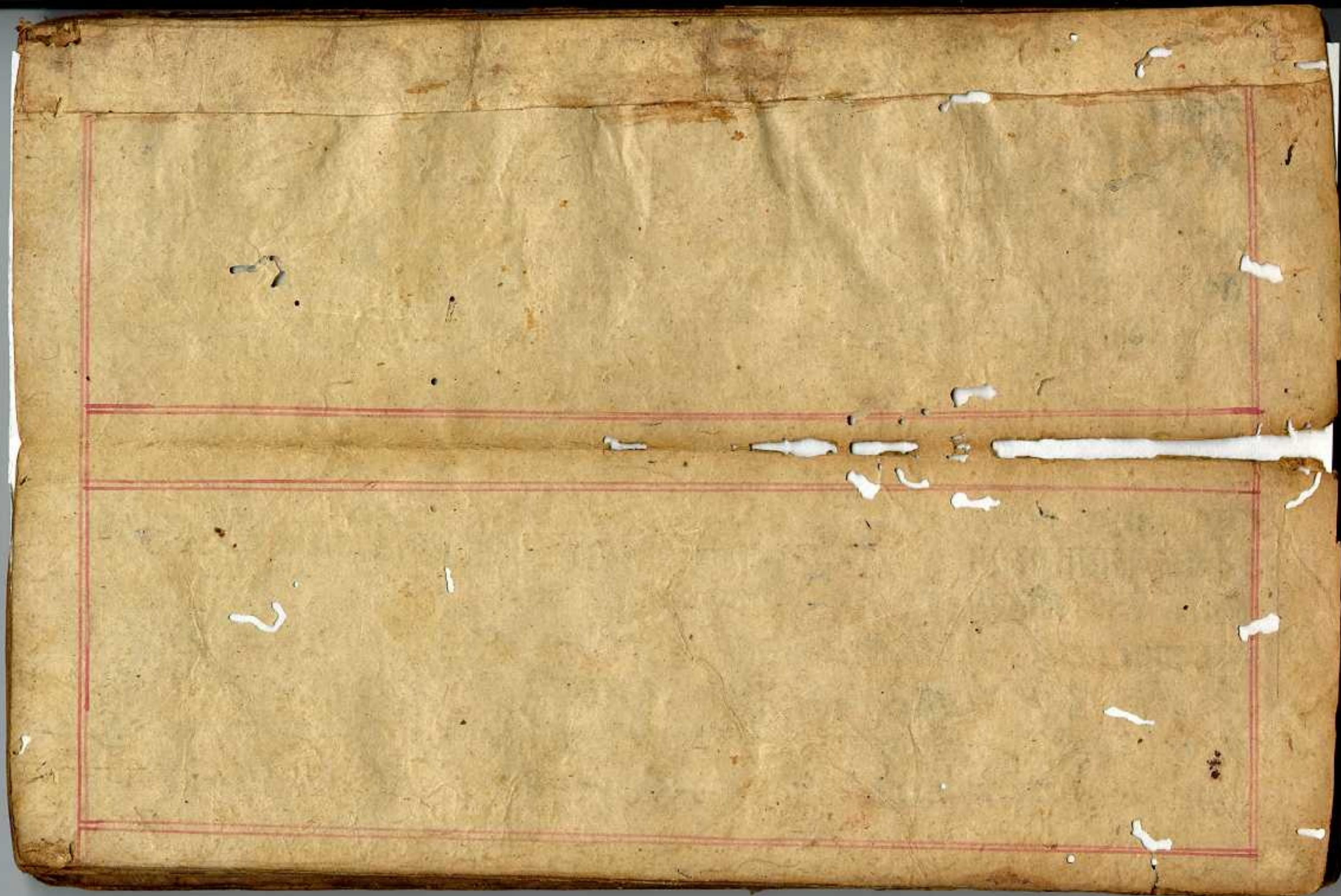
स्तुत ॥ ॥ ॐ ति ग्रा यक्षि मा मा य सिद्धि मा त प र्ण जि ना द्या न्छी
सिद्धि लक्ष्मी दद्यात्सु व ४ समा क ॥ ॥ १ ॥ ॥ सप्त ७ ३ १ वैष्णव ॥

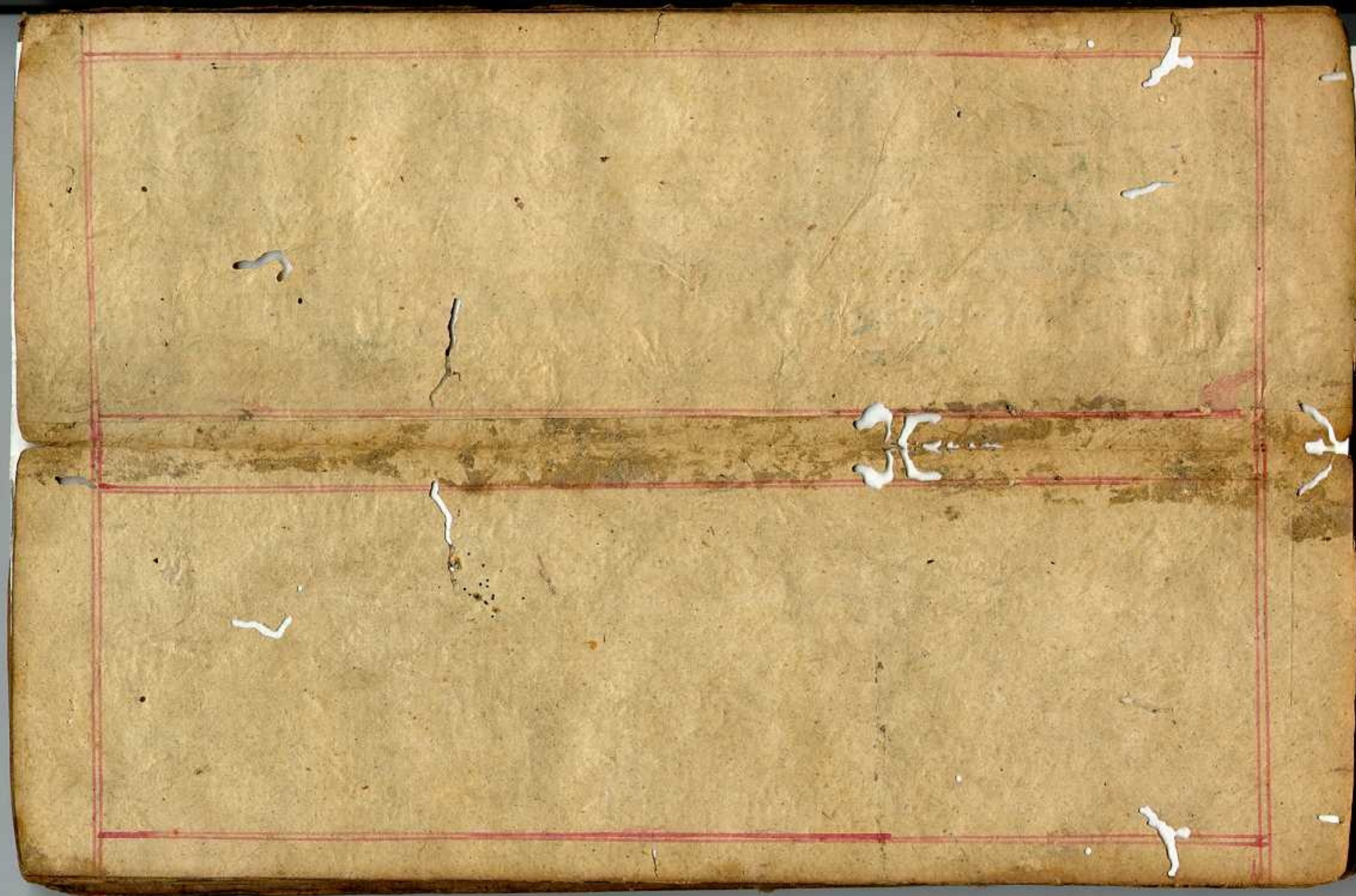
१ संवत् २० वैशाख शुक्ल ४ ग्रीष्म वद्य निगु लन नन्द स्वामी या जया नाथ
दकी यजामून कुरु लो क कुरु सिया हृदय का र्पि स क सत्र ग कुरु
स्वामी विद्या दाता सा कुरु १ सिद्धि पै सि कुरु लो न अ का थ अ

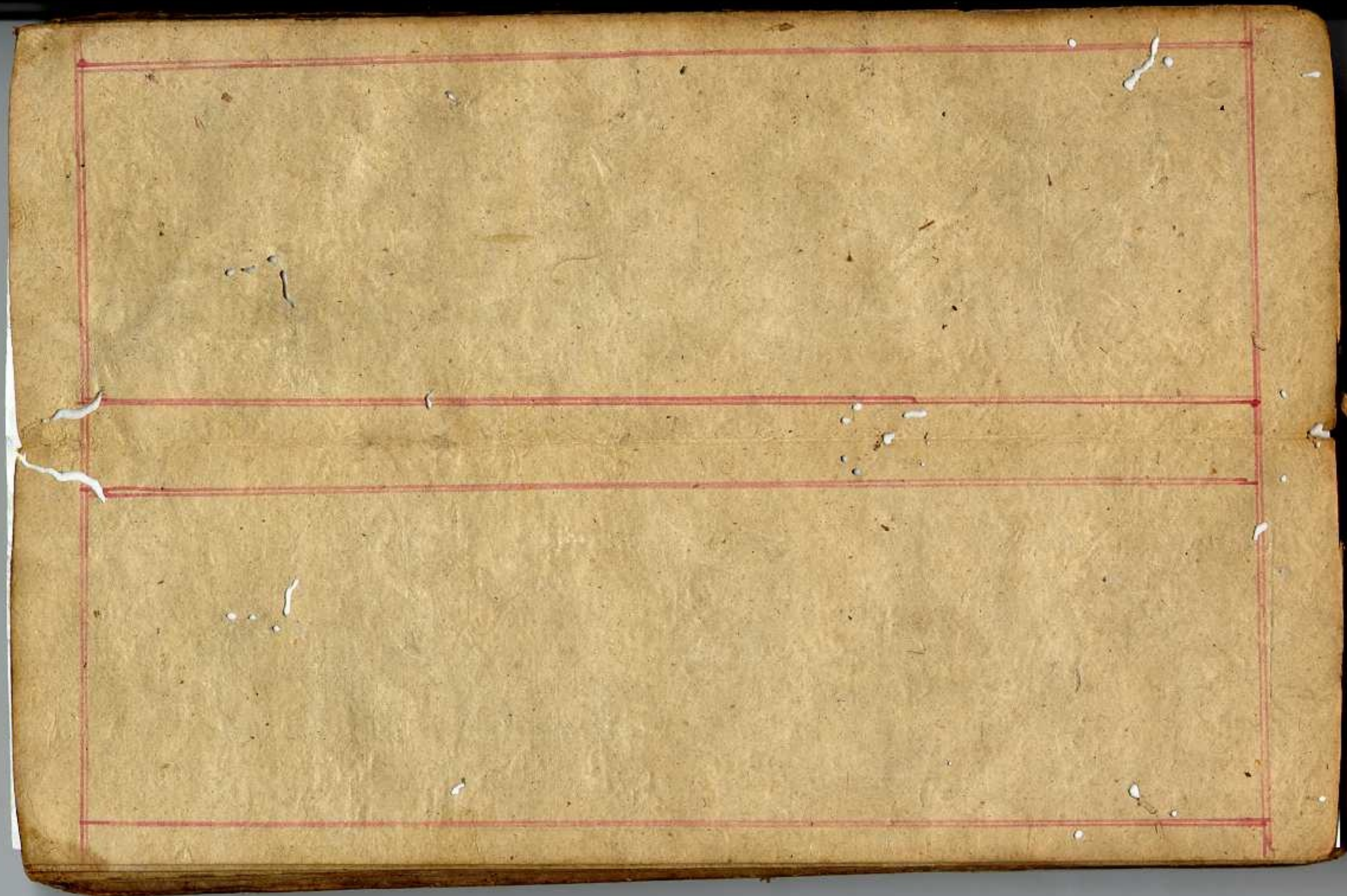
दत्तात्रयकयनन नञ का थ स ग्री ग्री ग्री वा न यु ड विक्रम साद ना जा वि
घा क थञ का य रु लो का जी पि न न्न न रु लो ना जा म ली थ म न वि
या य सि या दि को अ न रु लो थ नं सि या दि द य क न रु लो म ली द
य क रु लो जा या न दत्ता त रु लो म जा न मा ल थ क जा हा द य क न रु लो
गु री वं भा र गु रु पू र्ण मा स्यां ति धो गु रु दि न ग्री ग्री य द्वा नि गु ल्म न द

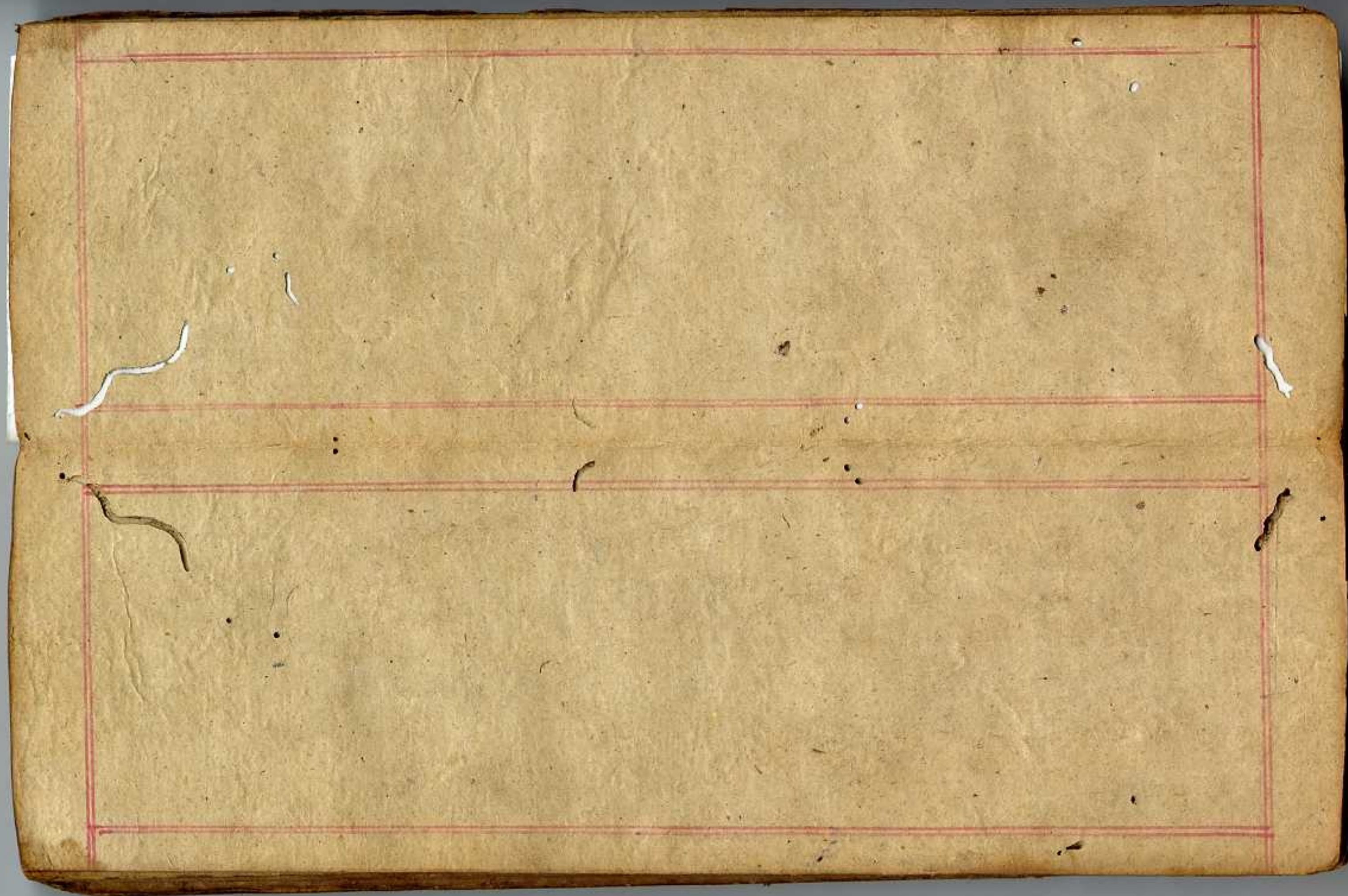
स्वामी थ क का य या न रा ष वि ञा व न स ना म कू क हा क नं थ म न
सिंहा स न स द द दि न रु लो गु री ना म ऊ क दि यै कै त द्वा या या गु
ग्री न ल व हा दू त सा ह द वे थ क सि या दि या न द त्र ग न वि ञा का जि सि या
दि स क लै यू ला अ न पू री स ग ल द य क न य क ना जा ल स ग ल द य
क ल चा रु स थ म वि स ञा द रु लो ल ञा का थ स वा द यिं न्ना न रु लो

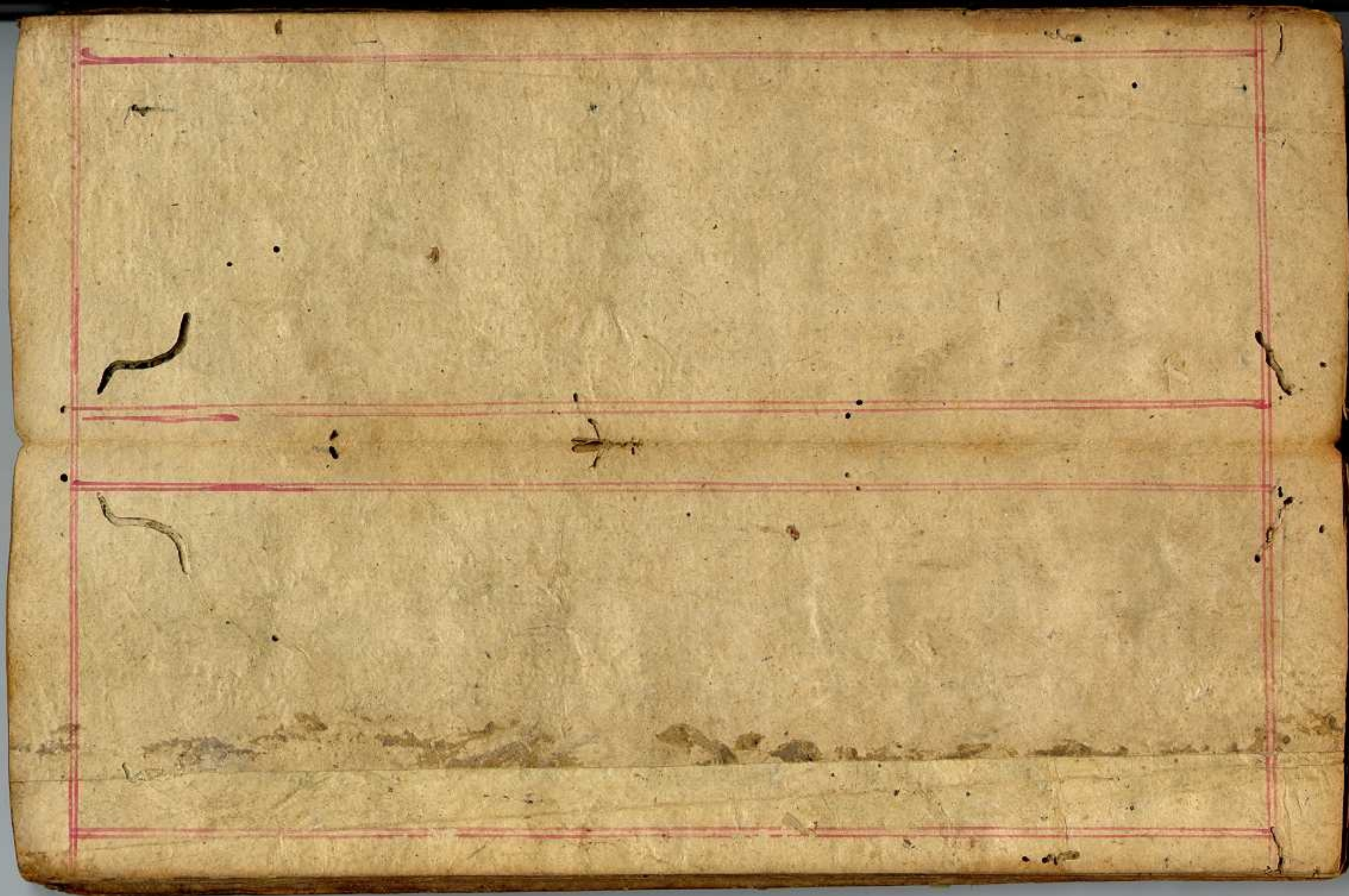
वेमवकुषु उकादगी आदि एवाल पकू श्री का निविषानक रली

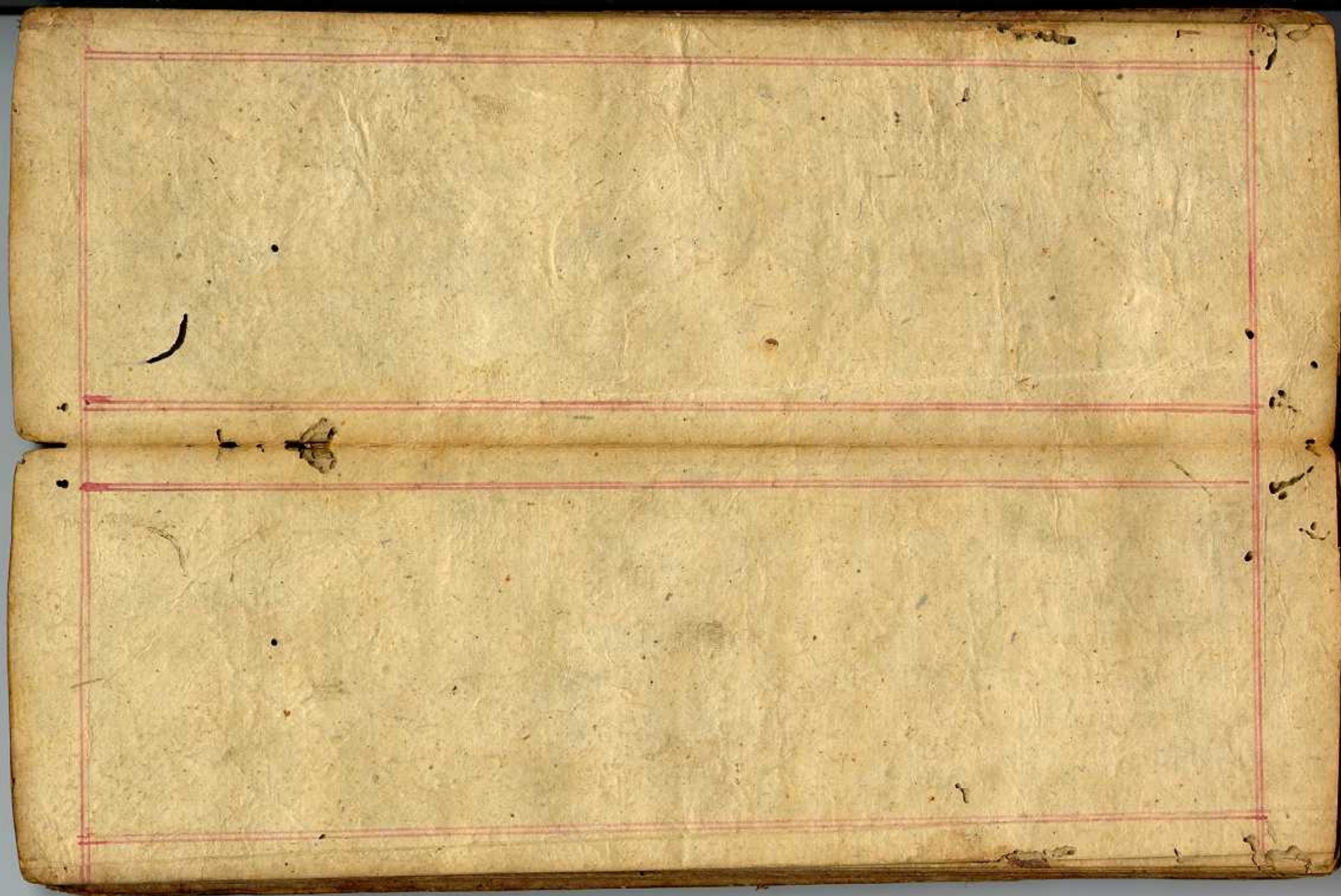


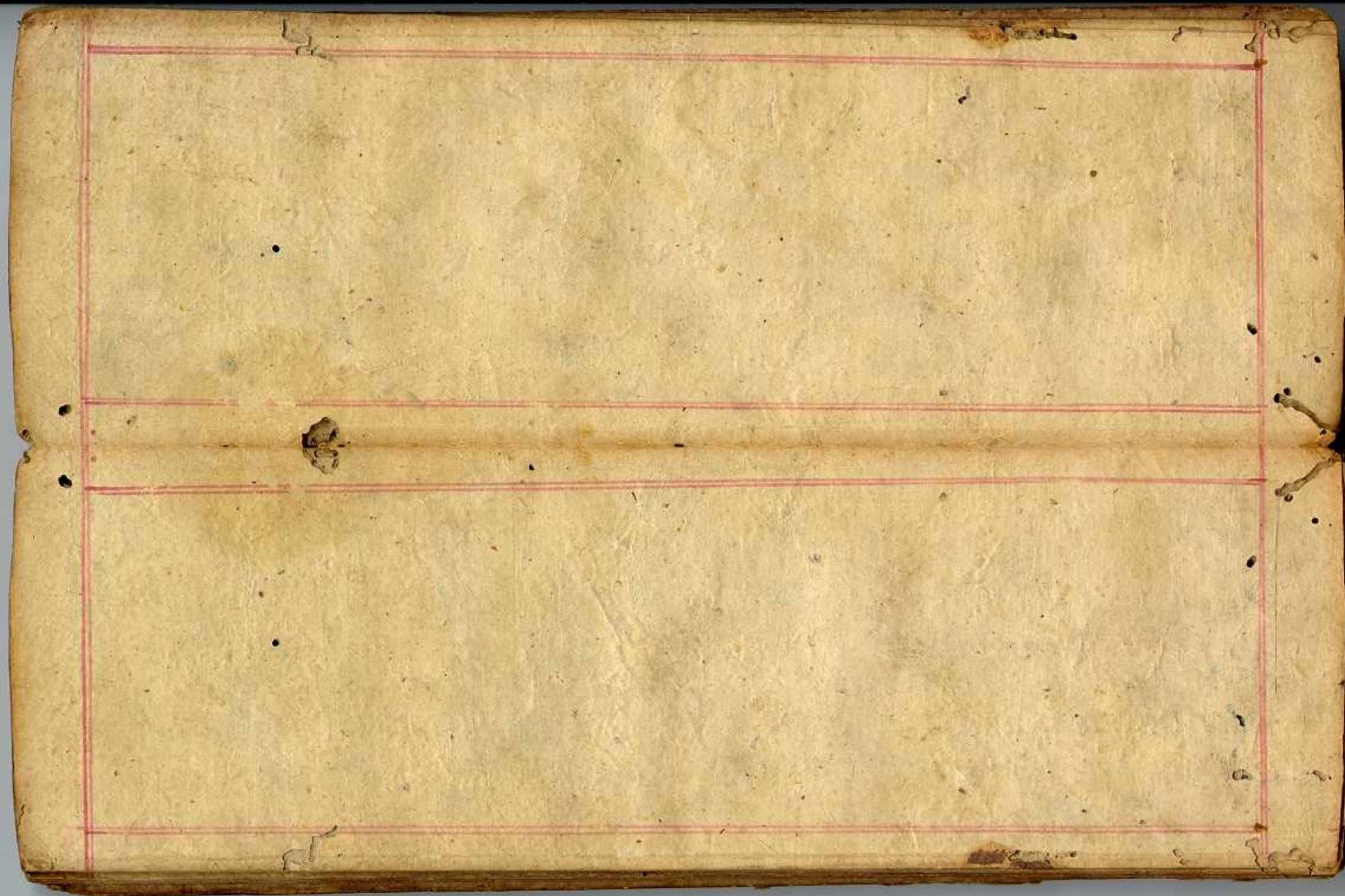




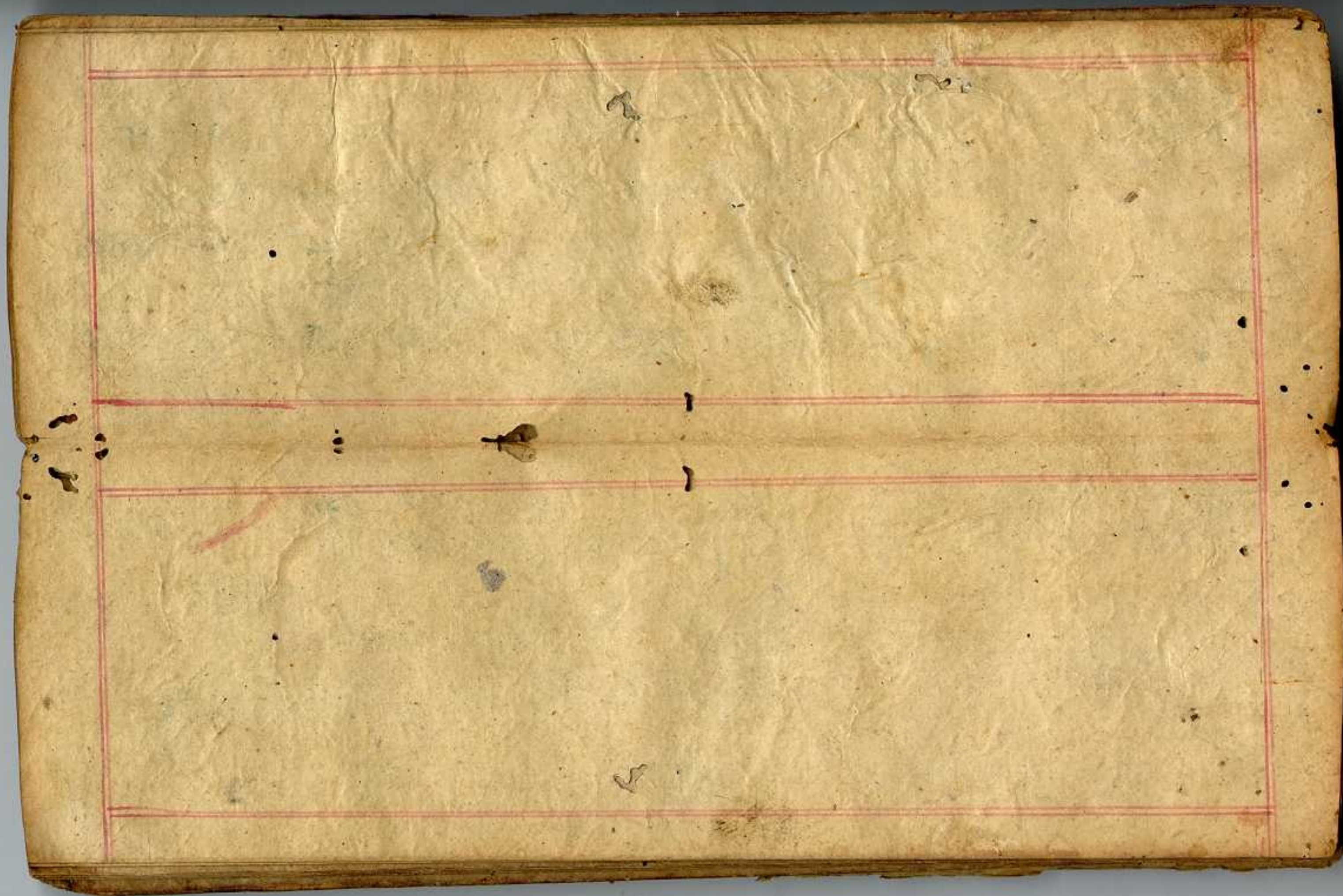


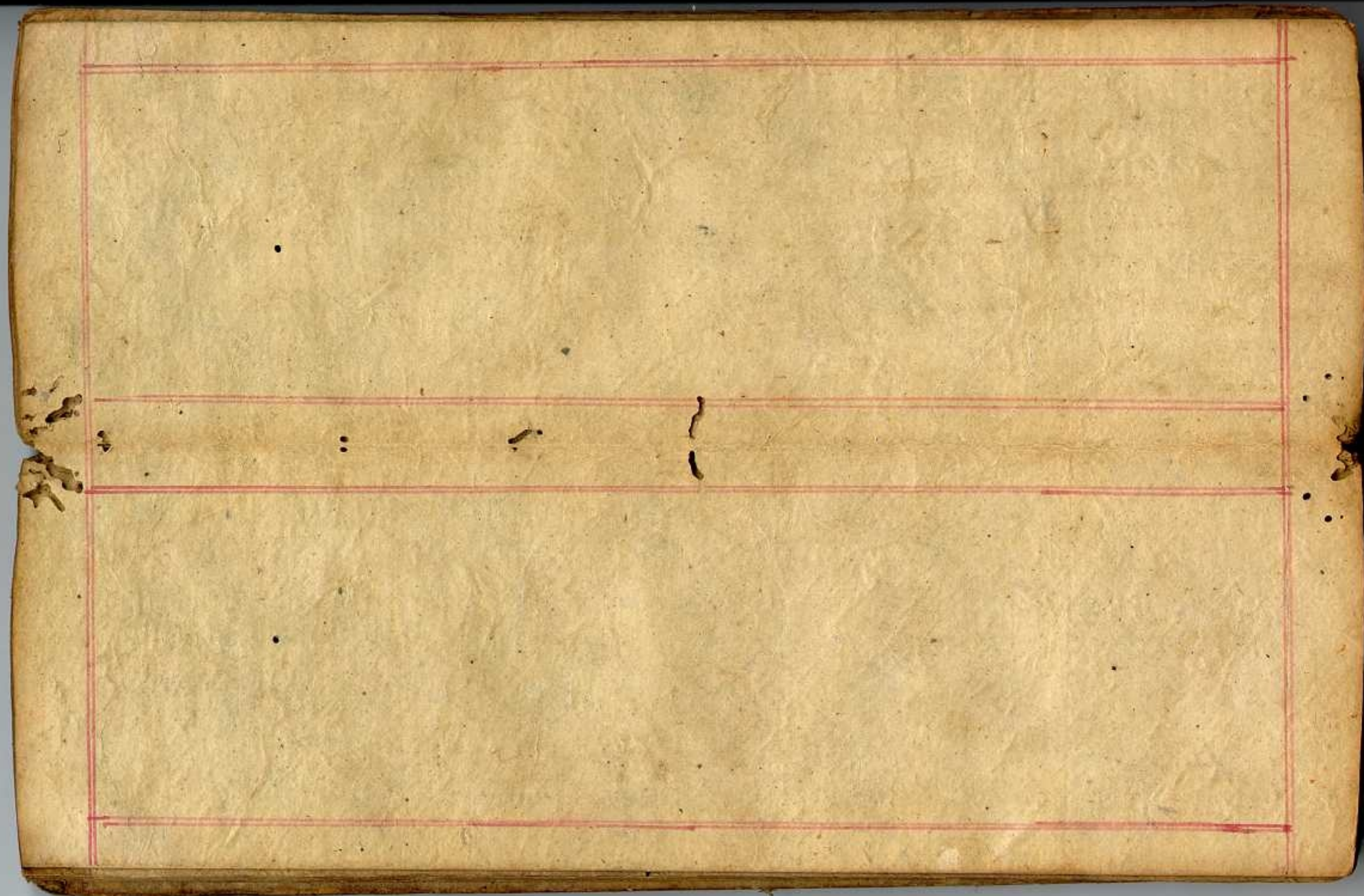


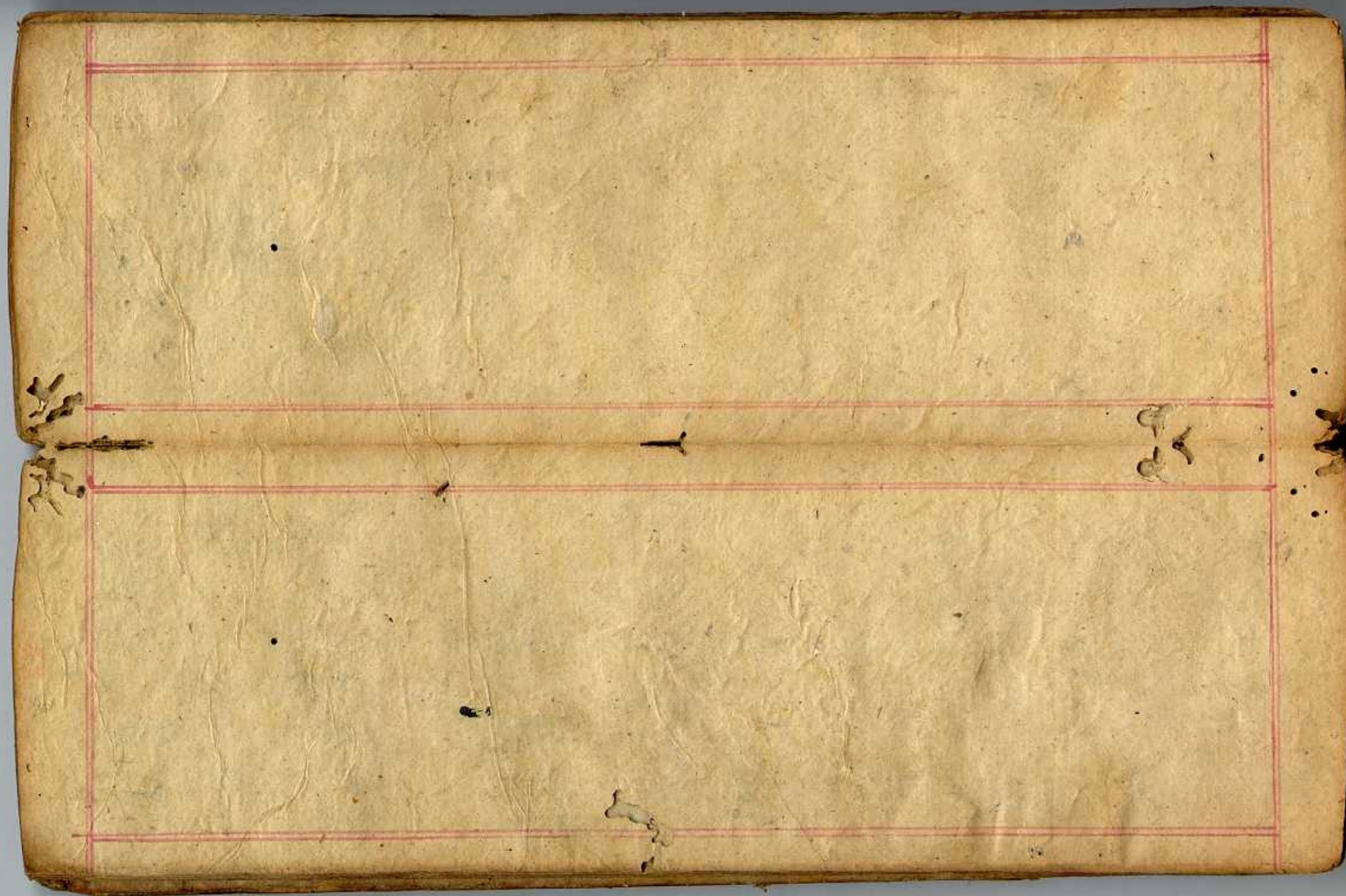


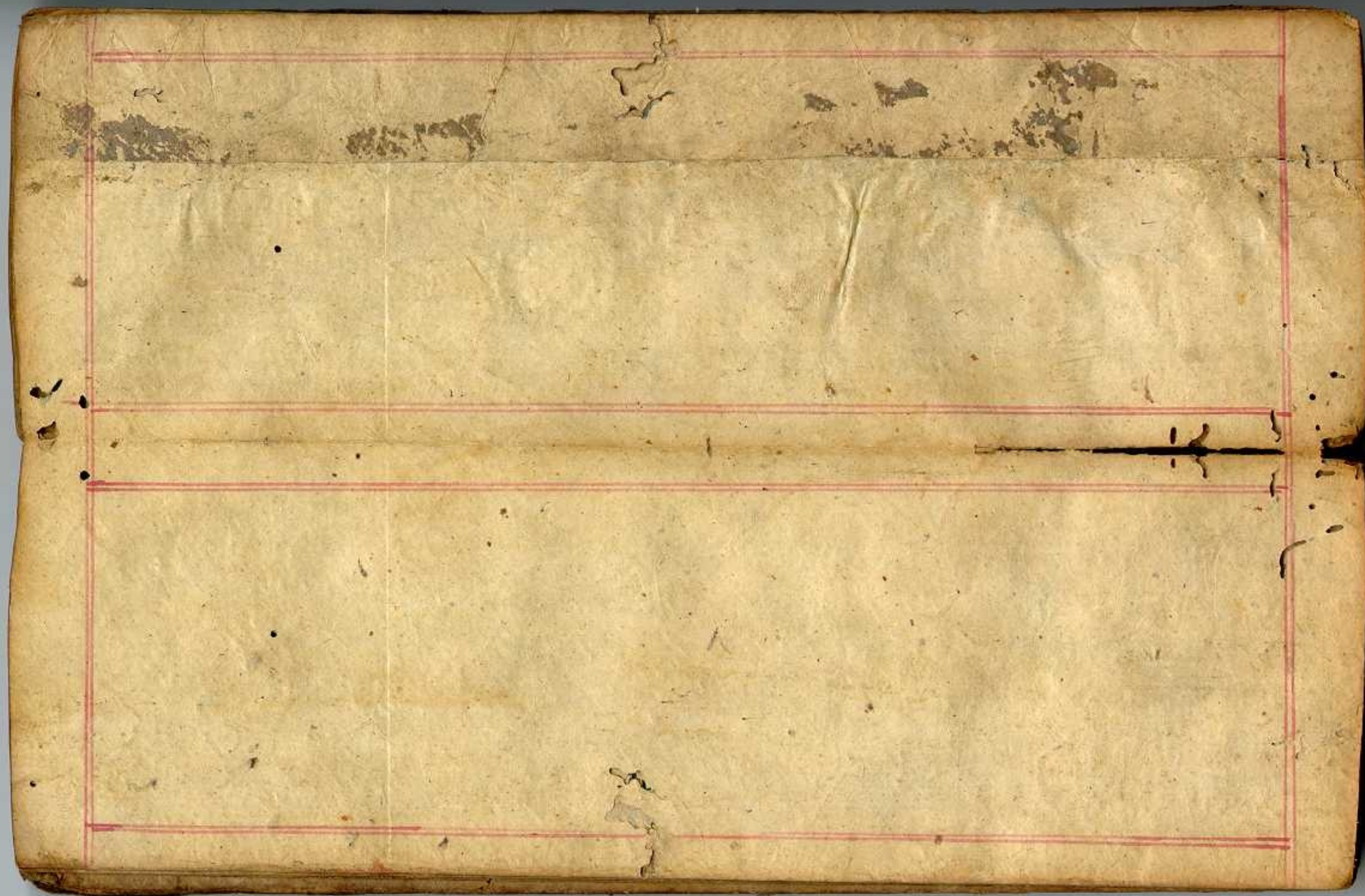


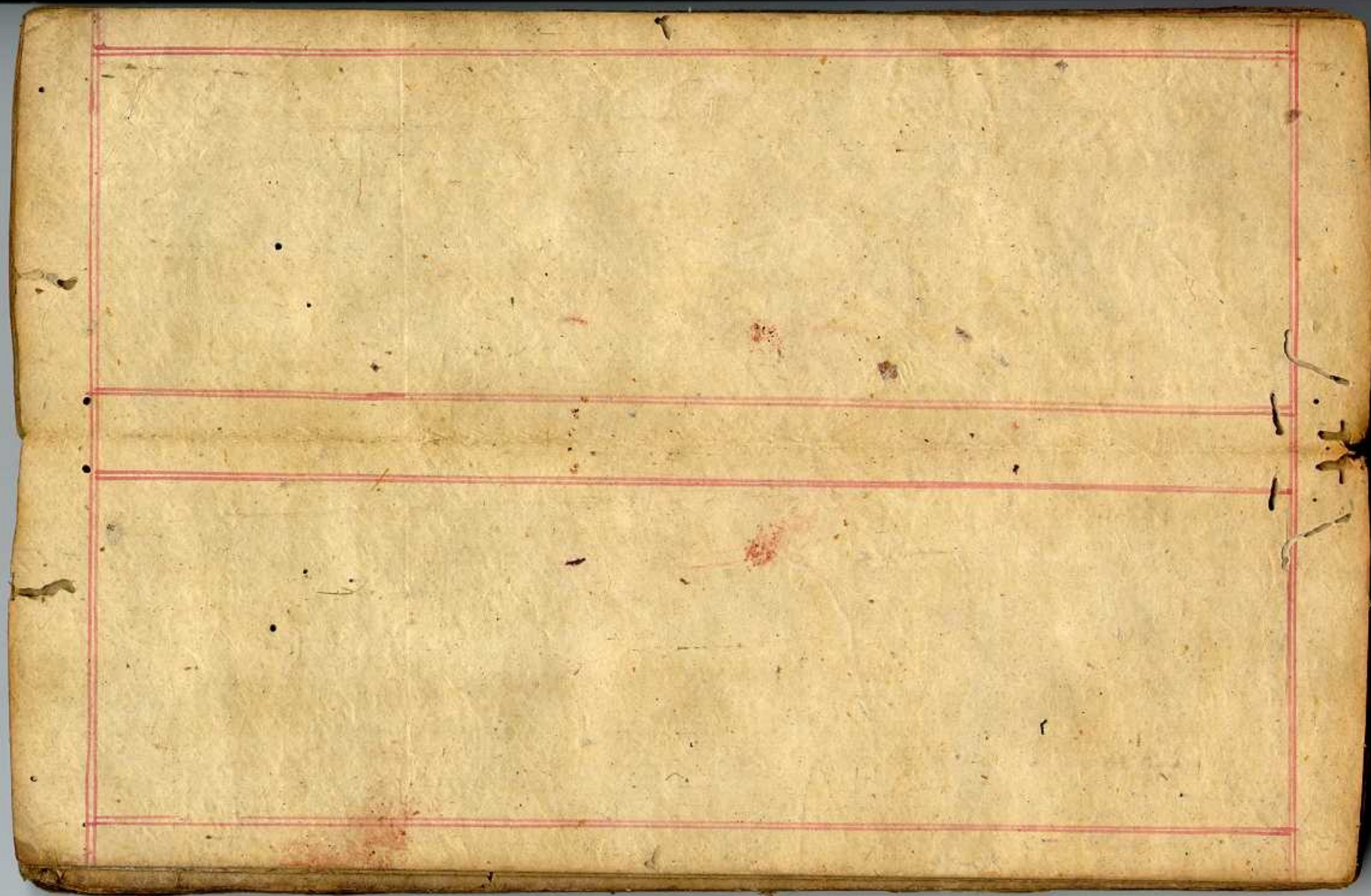


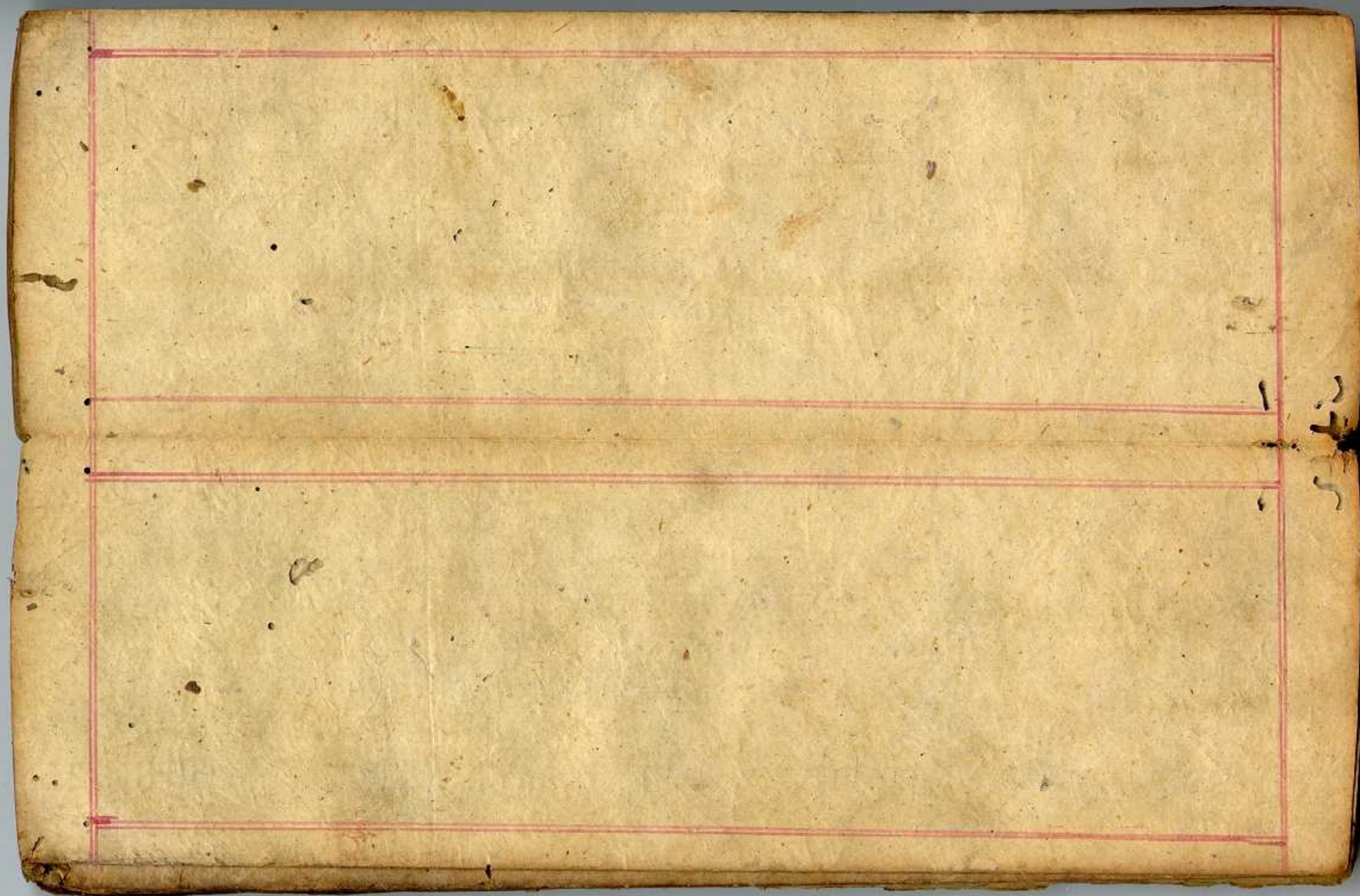


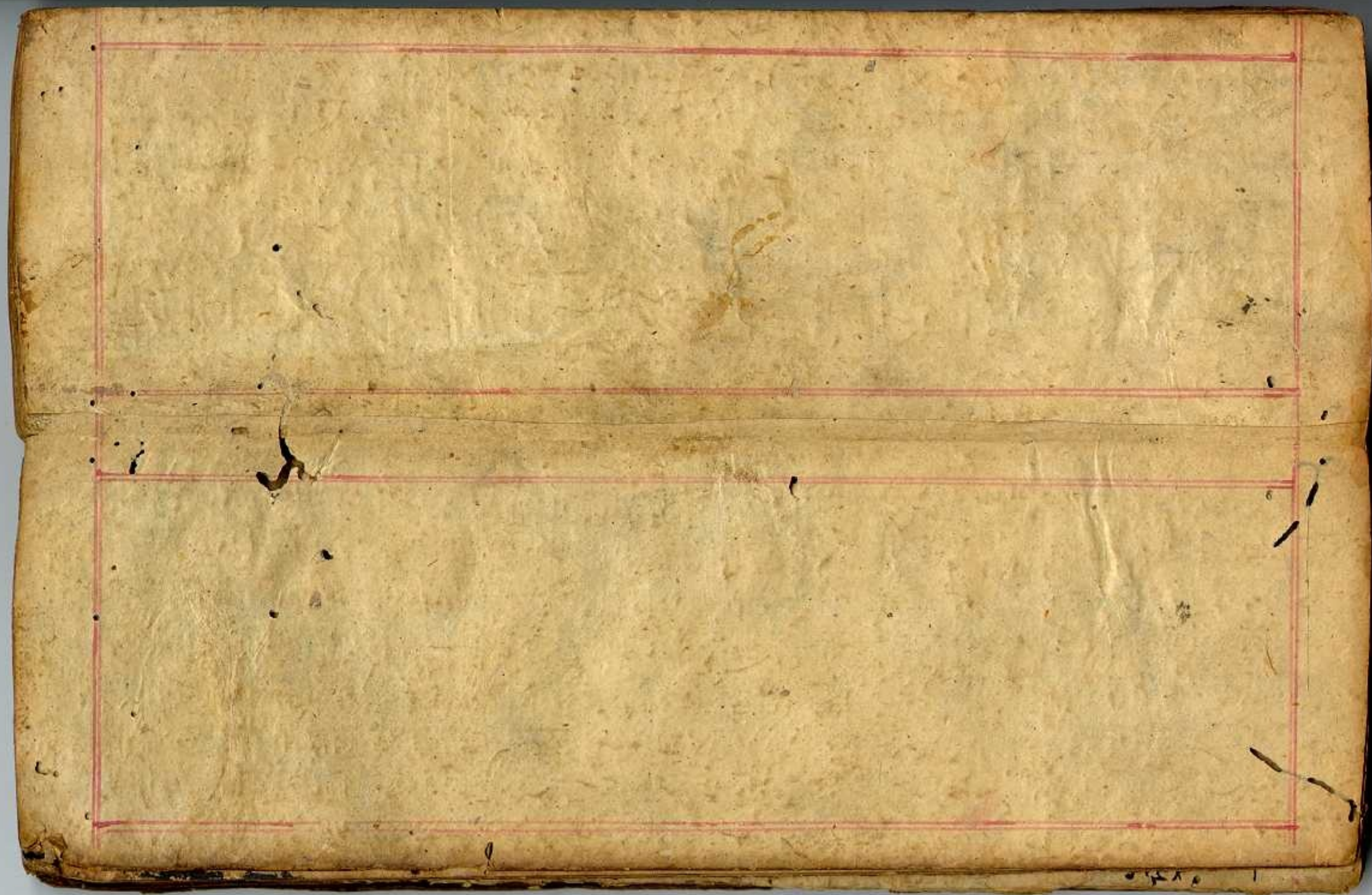


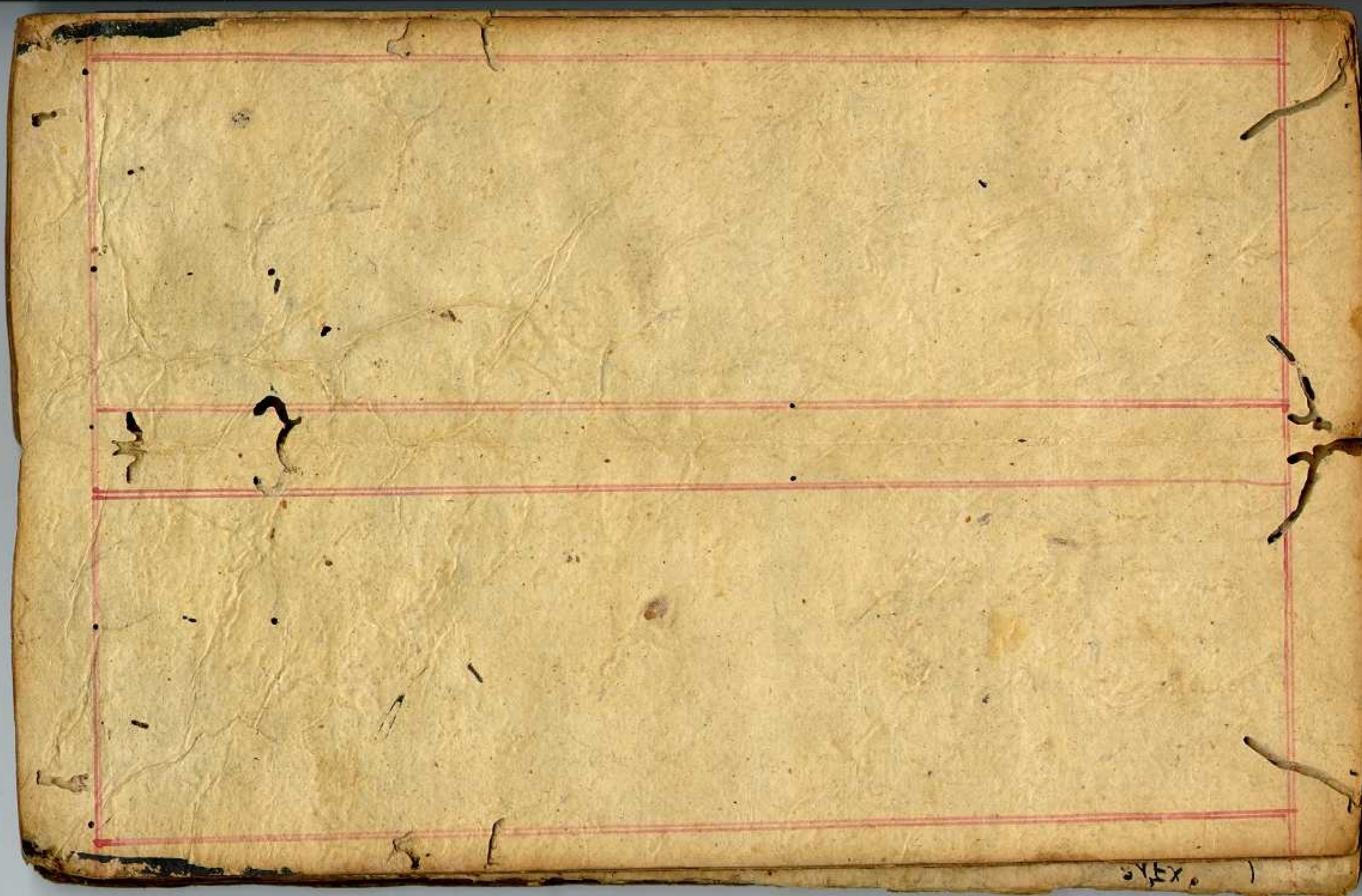


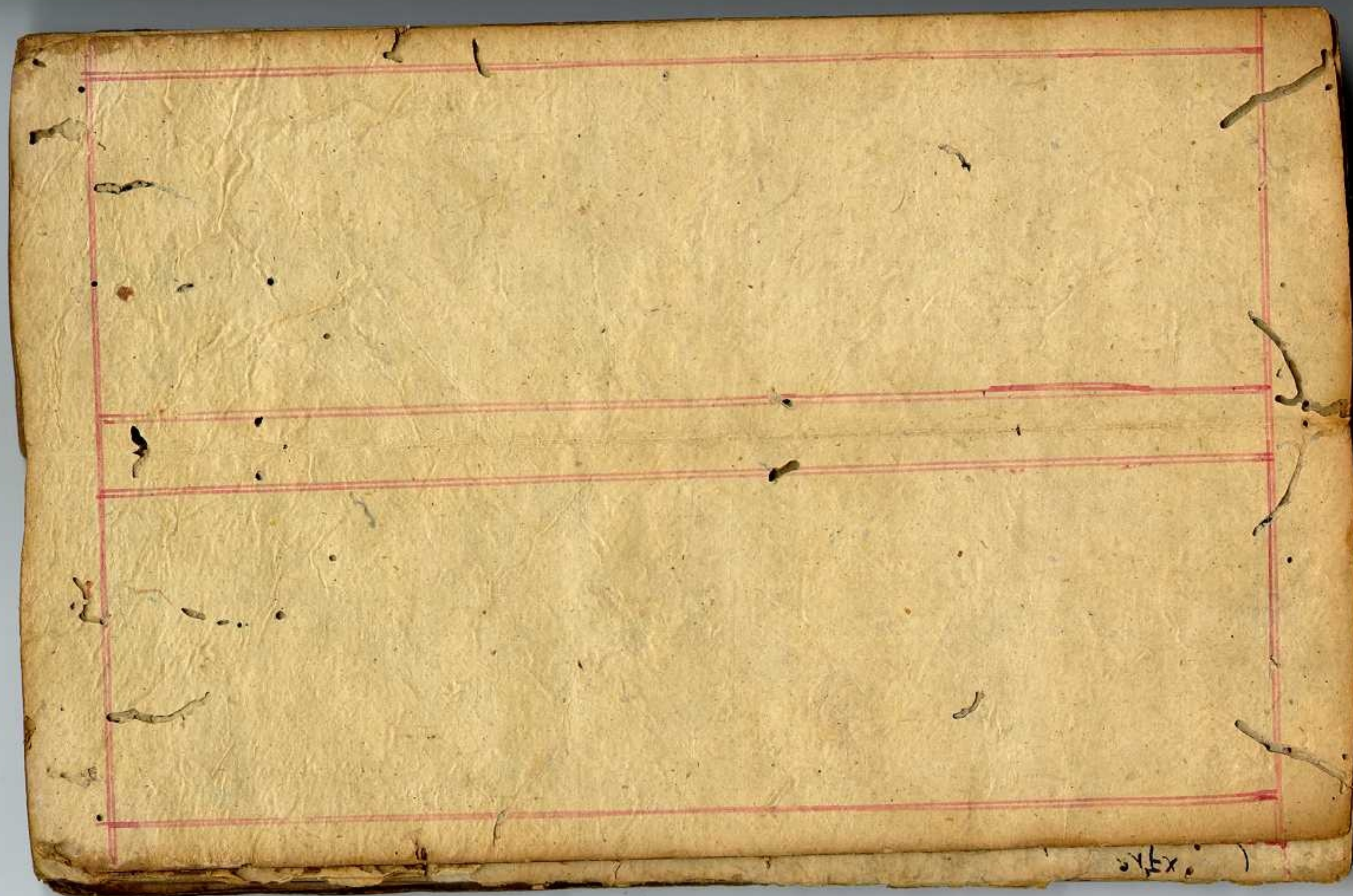


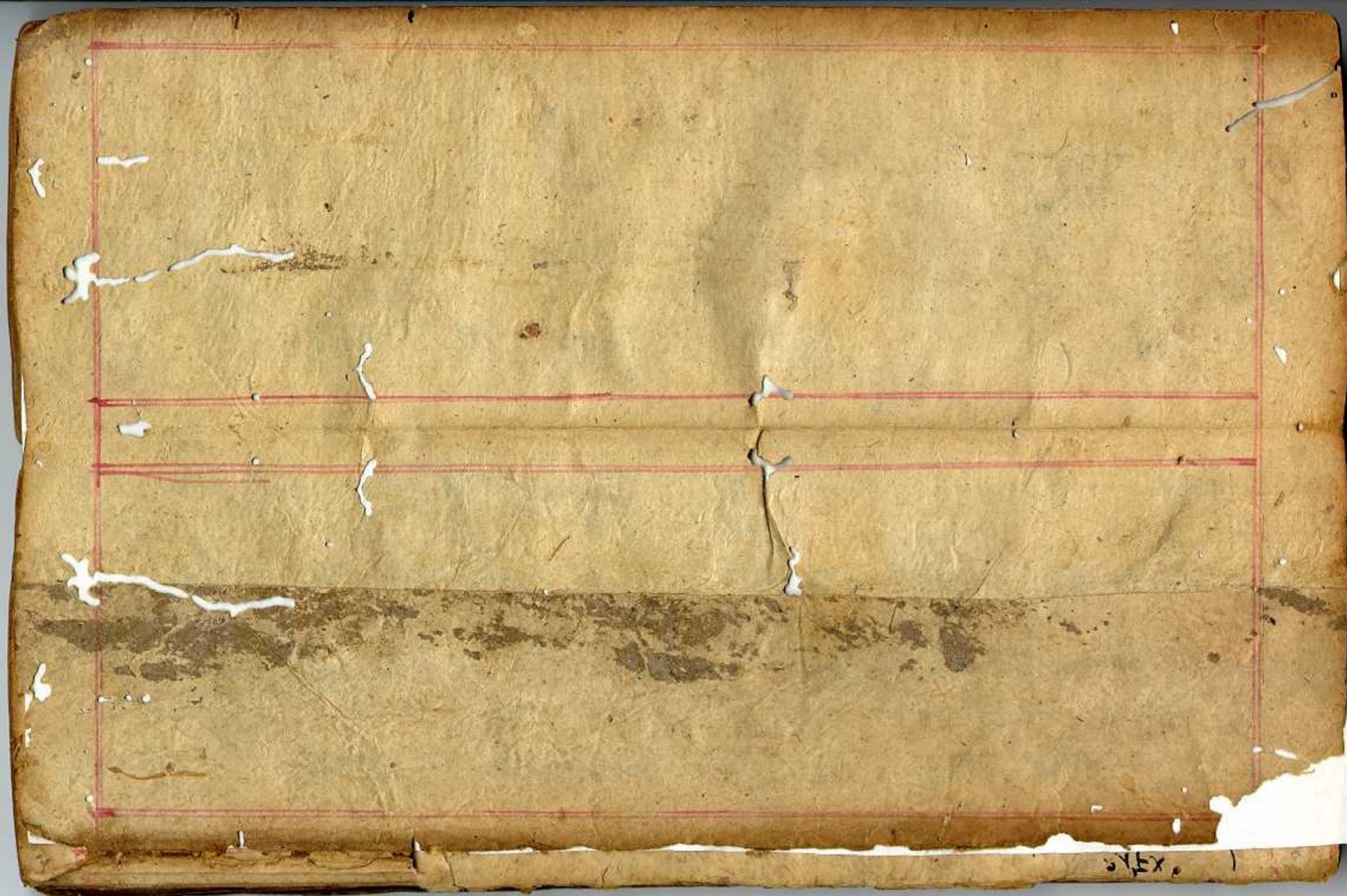












EX.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥
सर्वकल्याणकरं कुरु सर्वदा ॥
सर्वलोकहितं कुरु सर्वदा ॥
सर्वसुखदायकं कुरु सर्वदा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥
सर्वकल्याणकरं कुरु सर्वदा ॥
सर्वलोकहितं कुरु सर्वदा ॥
सर्वसुखदायकं कुरु सर्वदा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 कथं विनाशाय विनाशाय विनाशाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

1
[Handwritten text in Devanagari script, likely a Sanskrit manuscript. The text is written in black ink on aged paper, with some words highlighted in red ink. The script is dense and fills the page.

[Handwritten text in Devanagari script, likely a Sanskrit manuscript. The text is written in black ink on aged paper, with some words highlighted in red ink. The script is dense and fills the page.

[illegible][illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript. The text is written in black ink on aged, yellowed paper. It consists of approximately 10 lines of text, with some words highlighted in red ink. The script is a historical form of Devanagari, possibly from the 18th or 19th century. The text appears to be a religious or philosophical treatise, given the use of Sanskrit characters and the structure of the sentences. The first line begins with '॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥' (Om namo bhagavate vasudevaaya), a common opening in Vaishnavite texts. The text continues with various phrases and names, some of which are repeated, suggesting a liturgical or meditative purpose. The handwriting is somewhat irregular, with some characters being more stylized than others. The overall appearance is that of an old, well-used manuscript.

Handwritten text in Devanagari script, continuing from the previous page. The text is written in black ink on aged, yellowed paper. It consists of approximately 10 lines of text, with some words highlighted in red ink. The script is a historical form of Devanagari, possibly from the 18th or 19th century. The text appears to be a religious or philosophical treatise, given the use of Sanskrit characters and the structure of the sentences. The first line begins with '॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥' (Om namo bhagavate vasudevaaya), a common opening in Vaishnavite texts. The text continues with various phrases and names, some of which are repeated, suggesting a liturgical or meditative purpose. The handwriting is somewhat irregular, with some characters being more stylized than others. The overall appearance is that of an old, well-used manuscript.

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[The manuscript page contains handwritten text in Devanagari script, which appears to be a form of Sanskrit or Hindi. The text is arranged in approximately ten horizontal lines across the page. There are some red markings or ink used as accents or separators between certain words or phrases.]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

Handwritten text in Devanagari script, likely a list or index, written on aged, yellowed paper. The text is organized into columns and rows, with some characters highlighted in red ink.

ASHA ARCHIVES
901

Handwritten text in Devanagari script, continuing the list or index, written on aged, yellowed paper. The text is organized into columns and rows, with some characters highlighted in red ink.

Handwritten text in Devanagari script, likely a list or index, written on aged, yellowed paper. The text is organized into columns and rows, with some characters highlighted in red ink.

॥ हृदयं ध्यात्वा ॥ १ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ २ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ ३ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ ४ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ ५ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ ६ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ ७ ॥



हृदयं ध्यात्वा ॥ ८ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ ९ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ १० ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ ११ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ १२ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ १३ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ १४ ॥

हृदयं ध्यात्वा ॥ १५ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ १६ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ १७ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ १८ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ १९ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ २० ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ २१ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ २२ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ २३ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ २४ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ २५ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ २६ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ २७ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ २८ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ २९ ॥
हृदयं ध्यात्वा ॥ ३० ॥

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript. The text is arranged in a single column and includes several lines of script. Some characters are written in red ink, indicating rubrication. The script is dense and fills most of the page area.

Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript. The text is arranged in a single column and includes several lines of script. Some characters are written in red ink, indicating rubrication. The script is dense and fills most of the page area.



Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript. The text is arranged in a single column and includes several lines of script. Some characters are written in red ink, indicating rubrication. The script is dense and fills most of the page area.

[illegible][illegible]

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a manuscript. The text is written in a single column and appears to be a list or a series of entries, possibly names or titles, separated by vertical lines. The script is dense and characteristic of historical documents.

[illegible]

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

Handwritten text in a script, likely Devanagari, with red ink used for some characters or words. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines.

Handwritten text in a script, likely Devanagari, with red ink used for some characters or words. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २१ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २२ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २३ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २४ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २५ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २६ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २७ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २८ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २९ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीहरिभक्त्याय नमः ॥ १० ॥
 श्रीकृष्णभक्त्याय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीगुरुभक्त्याय नमः ॥ १२ ॥
 श्रीगणेशभक्त्याय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीविष्णुभक्त्याय नमः ॥ १४ ॥
 श्रीशिवभक्त्याय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीब्रह्मभक्त्याय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहेश्वरभक्त्याय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीनारायणभक्त्याय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीहरिभक्त्याय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीकृष्णभक्त्याय नमः ॥ २० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य
 वचनम् ॥ २ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ३ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ४ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ५ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ६ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ७ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ८ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ९ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १० ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ११ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १२ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १३ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १४ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १५ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १६ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १७ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १८ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १९ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २० ॥

Handwritten text in a script, likely a form of Indic script, arranged in ten horizontal lines. The text is written in black ink on a light background. The script is highly stylized and appears to be a form of Devanagari or a related Indic script. The text is arranged in ten horizontal lines, with some characters appearing to be in a different script or a different form of the same script, possibly indicating a specific dialect or a particular style of writing. The text is written in a cursive, flowing manner, with some characters appearing to be connected to the next one. The overall appearance is that of a handwritten manuscript or a collection of notes.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

27.

[illegible]

LEUZELE 3125

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger entry.

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्चनम् ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ १० ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीबालक्याय नमः ॥ १२ ॥
 श्रीमोक्षदत्ताय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीसर्वभूतार्थाय नमः ॥ १४ ॥
 श्रीसर्वलोकान्तराय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीसर्वदुःखहर्त्राय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीसर्वसुखदाय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीसर्वविघ्नहर्त्राय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीसर्वकल्याणाय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीसर्वसौख्याय नमः ॥ २० ॥
 श्रीसर्वसम्पत्तये नमः ॥ २१ ॥
 श्रीसर्वसुखसम्पत्तये नमः ॥ २२ ॥
 श्रीसर्वविघ्नसम्पत्तये नमः ॥ २३ ॥
 श्रीसर्वकल्याणसम्पत्तये नमः ॥ २४ ॥
 श्रीसर्वसौख्यसम्पत्तये नमः ॥ २५ ॥
 श्रीसर्वसम्पत्तयै नमः ॥ २६ ॥
 श्रीसर्वसुखसम्पत्तये नमः ॥ २७ ॥
 श्रीसर्वविघ्नसम्पत्तये नमः ॥ २८ ॥
 श्रीसर्वकल्याणसम्पत्तये नमः ॥ २९ ॥
 श्रीसर्वसौख्यसम्पत्तये नमः ॥ ३० ॥

[illegible]

1
ደህንነቱን ያረጋግጣል፡፡ ይህንን ጥያቄ ያረጋግጣል፡፡
ደህንነቱን ያረጋግጣል፡፡ ይህንን ጥያቄ ያረጋግጣል፡፡
ደህንነቱን ያረጋግጣል፡፡ ይህንን ጥያቄ ያረጋግጣል፡፡
ደህንነቱን ያረጋግጣል፡፡ ይህንን ጥያቄ ያረጋግጣል፡፡
ደህንነቱን ያረጋግጣል፡፡ ይህንን ጥያቄ ያረጋግጣል፡፡
ደህንነቱን ያረጋግጣል፡፡ ይህንን ጥያቄ ያረጋግጣል፡፡

ደህንነቱን ያረጋግጣል፡፡ ይህንን ጥያቄ ያረጋግጣል፡፡
ደህንነቱን ያረጋግጣል፡፡ ይህንን ጥያቄ ያረጋግጣል፡፡
ደህንነቱን ያረጋግጣል፡፡ ይህንን ጥያቄ ያረጋግጣል፡፡
ደህንነቱን ያረጋግጣል፡፡ ይህንን ጥያቄ ያረጋግጣል፡፡
ደህንነቱን ያረጋግጣል፡፡ ይህንን ጥያቄ ያረጋግጣል፡፡
ደህንነቱን ያረጋግጣል፡፡ ይህንን ጥያቄ ያረጋግጣል፡፡

[illegible]

卷之四

[illegible]

Handwritten text in a medieval script, likely Gothic or similar, written on aged parchment. The text is arranged in approximately 10 lines, with some words highlighted in red ink (rubrication). The script is dense and characteristic of the late Middle Ages.

Handwritten text in a medieval script, likely Gothic or similar, written on aged parchment. The text is arranged in approximately 10 lines, with some words highlighted in red ink (rubrication). The script is dense and characteristic of the late Middle Ages.

[illegible][illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो ॥ ४ ॥
 पाण्डुपुत्रो दृष्ट्वा तु ॥ ५ ॥
 पाण्डुपुत्रो दृष्ट्वा तु ॥ ६ ॥
 पाण्डुपुत्रो दृष्ट्वा तु ॥ ७ ॥
 पाण्डुपुत्रो दृष्ट्वा तु ॥ ८ ॥
 पाण्डुपुत्रो दृष्ट्वा तु ॥ ९ ॥
 पाण्डुपुत्रो दृष्ट्वा तु ॥ १० ॥

[illegible][illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript. The text is written in black ink on aged, yellowed parchment. Red ink is used for decorative initials and rubrics. The script is dense and fills the page.

Handwritten text in a cursive script, likely a medieval manuscript. The text is written in black ink on aged, yellowed parchment. Red ink is used for decorative initials and rubrics. The script is dense and fills the page.

Handwritten text in a script, likely Georgian, spanning multiple lines. The text is written in black ink with some red ink used for initials or headings. The script is dense and fills most of the page.



Handwritten text in a script, likely Georgian, located below the floral ornament. The text is written in black ink with some red ink used for initials or headings. The script is dense and fills most of the page.

Handwritten text in a script, likely Georgian, located on the right side of the page. The text is written in black ink with some red ink used for initials or headings. The script is dense and fills most of the page.

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript. The text is written in black ink on aged, yellowed paper. Red ink is used for highlighting certain words or phrases, possibly indicating a specific section or a key term. The script is dense and fills most of the page.

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript. The text is written in black ink on aged, yellowed paper. Red ink is used for highlighting certain words or phrases, possibly indicating a specific section or a key term. The script is dense and fills most of the page.

[illegible][illegible]

11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1041 1042 1043 1044

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

Handwritten text in a script, likely Indic, on the top line of the first page. The script is dark brown/black ink on aged, yellowish-brown paper. The line is enclosed within a red border.

Handwritten text in a script, likely Indic, on the second page. The script is dark brown/black ink on aged, yellowish-brown paper. The text is arranged in multiple lines, with some words highlighted in red ink. The page shows signs of wear and damage, including tears and discoloration.

Handwritten text in a script, likely Indic, on the third page. The script is dark brown/black ink on aged, yellowish-brown paper. The text is arranged in multiple lines, with some words highlighted in red ink. The page shows signs of wear and damage, including tears and discoloration.

